28/05/2020

Subject - Pedagogy of Commerce
Topic - Methods of Teaching Commerce

B.Ed.
Ist Year

वाणिज्य शिक्षण की विधियाँ (पद्धतियाँ)

शिक्षण विधि का अर्थ :- "शिक्षण विधि से तात्पर्य शिक्षक द्वारा निर्देशित ऐसी क्रियाओं से है जिनके परिणामस्वरूप छात्र कुछ सीखते हैं"
इस प्रकार शिक्षण विधि अनेक क्रियाओं का एक पुंज है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके परिणामस्वरूप छात्र कुछ ज्ञानार्जन करता है।

अच्छी शिक्षण पद्धतियों की विशेषताएं :-

(i) पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक पद्धति।
(ii) पद्धति सुनिश्चित एवं प्रयोग करने योग्य हो।
(iii) उत्तम पद्धति कलात्मक होती है।
(iv) उत्तम पद्धति व्यक्तिगत होती है।
(v) उत्तम पद्धति वांछित परिवर्तन लाती है एवं छात्रों में अच्छी आदतों का निर्माण करती है।
(vi) पद्धति छात्रों को विषय-वस्तु के प्रति प्रेरित करे।
(vii) पद्धति छात्रों को स्वाध्याय हेतु प्रेरित करे।
(viii) पद्धति छात्रों को शिक्षा का सक्रिय सदस्य बनाए।
(ix) उत्तम पद्धति छात्रों की तर्क निर्णय तथा विश्लेषण-शक्ति का विकास करती है तथा व्यक्तिगत विभिन्नताओं को पूर्ण मान्यता प्रदान करती है।

Scanned with CamScanner

वाणिज्य शिक्षण की विधियाँ

(i) भाषण पद्धति अथवा व्याख्यान विधि (Lecture method)

(ii) पाठ्यपुस्तक पद्धति (Text-book method)

(iii) प्रयोगशाला - पद्धति (Laboratory method)

(iv) योजना - पद्धति (Project-method)

(v) वाद - विवाद पद्धति (Discussion - method)

(vi) समस्या - समाधान पद्धति (Problem Solving method)

(vii) इकाई - पद्धति
(Unit - method)

(viii) समाजीकृत अभिव्यक्ति पद्धति
(Socialised Recitation method)

(ix) विश्लेषणात्मक एवं संश्लेषणात्मक पद्धति
(Analytic and Synthetic method)

(x) निरीक्षण - अध्ययन पद्धति (Supervised study method)

(xi) अन्वेषण - पद्धति (Heuristic method)

Continue----

Scanned with CamScanner